साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 2 | अंक : 31 | गोंदिया : गुरुवार, 10 से 16 मार्च 2022 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

आज की बात

हम हिन्द की है नारियाँ...

तमन्ना मतलानी

हमारे भारत देश में आज के आधुनिक युग में महिलाओं को पुरुषों के बराबरी का स्थान हासिल है। स्त्री-पुरुष समानता का भाव भी अब लोगों के दिलों में गहरा होता जा रहा है। एक समय ऐसा था जब स्त्रियों को केवल शोभा की वस्तु समझा जाता था, लेकिन स्त्रियों ने भी दिखा दिया है कि वह पुरुषों के मुकाबले में किसी भी क्षेत्र में उन्नीस नहीं है। आज के आधुनिक युग में हम अगर स्त्रियों के स्थान की व्याख्या करना चाहें तो हमें शब्द कम पड़ जाएंगे। पश्चिमी देशों के साथ ही आज हमारे भारत देश में भी स्त्रियों ने दिखा दिया है कि वह हर वो कार्य कर सकती है जिसमें केवल पुरुषों का ही एकाधिकार समझा जाता था। आज महिलाओं ने बड़ी-बड़ी कंपनियों, बैंको तथा उद्योगों में सी.ई.ओ. का पद हासिल कर लिया है।

रक्षा क्षेत्र में जहां स्त्रियों का जाना असंभव सा माना जाता था, वहां पर भी स्त्रियों ने अपना दम-खम दिखा दिया है। भारत की जल, थल तथा वायु सेना इन तीनों सेनाओं में स्त्रियों ने न केवल उच्च पद हासिल कर लिया है, बल्कि उन्होंने अपने कौशल्य और बहादुरी के दम पर अपना एक विशेष स्थान भी बना लिया है।

आज हम देख सकते हैं कि महिलाएं शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी अपना एक अलग स्थान बना रही है। हम देख सकते हैं कि बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा (झठ ब्लेंमे) देने में पुरुषों के मुकाबले में एक महिला शिक्षिका अपना दायित्व ज्यादा जिम्मेदारी पूर्वक निभा रही है, क्योंकि यह शिक्षा वह मां बन कर देती है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी हम देखते हैं कि एक पुरुष डॉक्टर के साथ-साथ एक महिला परिचारिका की भी ख्याति होती रही है।

महिला दिवस पर विशेष

यह सब मैं एक महिला होने के नाते नहीं कह रही हूं, बल्कि आप स्वयं अनुभव कर सकते हैं। आज हमारे देश की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है। आप स्वयं कल्पना कीजिए कि अगर महिलाओं को सिर्फ घर कार्य करने हेतु छोड़ दिया जाता तो हमारे देश की हालत महिला शक्ति के बिना क्या होती? मैं अपनी बातों से पुरुषों की अहमियत को कम नहीं करना चाहती, मैं तो बस इतना ही कहना चाहती हूं कि, देश की आधी आबादी अगर निष्क्रिय होकर केवल घर की शोभा बढ़ा रही होती तो हमारा भारत देश वह मुकाम शायद इतने थोड़े से वक्त में हासिल नहीं कर सकता था, जिस मुकाम पर आज हमारा देश खड़ा है।

हमारे देश की आर्थिक उन्नति में महिलाओं का भी योगदान उतना ही है जितना कि एक पुरुष का है। देश के विकास में इतना अधिक योगदान होते हुए भी महिलाओं के लिए क्यों यह पंक्तियां सच साबित होती रहती हैं कि...

क्यों है इसके जीवन में इतना हाहाकार?
क्यों नहीं इसे स्वतंत्रता का अधिकार?
क्यों बढ़ता जाए इस पर परिस्थितियों का अत्याचार?
क्यों होता रहे इसके मान-सम्मान का पल-पल बलात्कार?
है तमन्ना मिलकर करें सब महिलाओं का सत्कार...।

मैं यह भी नहीं कहना चाहती कि सभी महिलाओं ने घर से बाहर जाकर हर क्षेत्र में अपना नाम ऊंचा किया है। मैं तो सिर्फ इतना ही कहूंगी कि अगर पुरुषों ने अपने सामाजिक दायरे को बढ़ाया है तो उसके पीछे भी एक स्त्री का मजबूत और भावनात्मक सहयोग छुपा हुआ है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि अगर गृहणी अपने परिवार को पूरा सम्मान नहीं देती, बच्चों की पढ़ाई की ओर ध्यान नहीं देती, सास-ससुर को माता पिता का दर्जा ना देती, देवर-ननद को भाई-बहन जैसा प्यार ना देती तो क्या पुरुष निश्चित होकर इन सब दायित्वों का निर्वाह करते हुए अकेला ही सब कार्य कर सकता था? जी नही..! बिल्कुल नहीं..! क्योंकि आज का पुरुष भी नारी के सहयोग के बिना अधूरा ही है। सच पूछो तो नारी को हम सर्वगुण संपन्न होने का दर्जा दे सकते हैं। क्योंकि वह अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए, घर परिवार का पूरा ख्याल रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना एक महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। अगर नारी कहीं नौकरी भी करती है तो वह अपने घर के दायित्वों का पूर्ण रुप से निर्वाह करते हुए अपने कर्म क्षेत्र को भी अपनाती है।

गृहस्थ जीवन के दो पहिये माने गये है, एक पहिया पुरुष है तो दूसरे पहिये का स्थान नारी को हासिल है। क्योंकि उसके बिना गृहस्थ जीवन अथवा परिवार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। उन बच्चों से पूछिए जिनके सर पर मां का हाथ नहीं है, उन पुरुषों से पूछिए जिनकी जीवन-संगिनी का अकस्मात निधन हो गया है, वे आप सभी को भली-भांति समझा सकते हैं कि जीवन में स्त्री का महत्व हर एक रिश्ते में कितना जरुरी है। मैं भी एक नारी हूं इसलिए नारी के रुप में निर्वाह किए गए अपने कर्तव्यों का मुझे पूर्ण ज्ञान है। मैं यह नहीं कह सकती कि नारी में कोई कमी नहीं होती पर अगर उसमें कोई कमी रह जाती है, तो वह उस कमी की पूर्ति अपनी दूसरी खूबी से कर लेती है। एक नारी पुरुष के सहयोग के बिना भी अपना जीवन, अपना परिवार कुशल तरीके से चला सकती है यही उसकी पहचान है।

भारतीय इतिहास से लेकर आज के वर्तमान युग तक हम नारी द्वारा किए गए कार्यों को भली-भांति देख सकते हैं... क्या हम झांसी की रानी के कौशल्य और वीरता को भुला सकते हैं? क्या हम इंदिरा गांधी द्वारा पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाले साहसिक कार्य को विसरा सकते हैं? क्या हम हमारे देश की पूर्व रक्षा मंत्री और वर्तमान में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की देश को मजबूती देने और उनके बुलन्द इरादों को हम अनदेखा कर सकते ह?

मैं अगर नारी शक्ति की व्याख्या करने बैठूंगी तो शायद कागज भी कम पड़ जाएंगे। कहने का एक छोटा सा अर्थ यह है कि, आज महिला दिवस के उपलक्ष में नारी के छोटे से योगदान को भी हमें याद रखना चाहिए।

सभी स्त्रियों को महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं...

आज के दिन नारी शक्ति से बस इतनी सी गुजारिश है कि वे अपने परिवार, समाज और देश के लिए अपने अंदर का बेहतर अर्पण करें और स्वयं को अबला न समझें क्योंकि अबला नहीं सबल है हम... मैं भी एक नारी...

शहर में खुलेआम मार्गों पर पक्के अतिक्रमण

पुराने बस स्टैंड मार्ग पर आइल व्यापारी द्वारा मार्ग पर किया जा रहा पक्की सीढ़ी का निर्माण

नप के नगर रचना विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह

बुलंद गोंदिया - गोंदिया शहर में जिसकी मर्जी जहां चाहे वहां पक्का अतिक्रमण मनमर्जी से कर लिया जाता है। क्योंकि प्रशासन द्वारा उस पर कार्यवाही नहीं की जाती। जिससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं। इसी प्रकार का एक मामला पुराने बस स्टैंड मार्ग पर स्थित एक आईल व्यापारी द्वारा नए मकान का निर्माण किया जा रहा है। जिसकी सीढ़ियों का निर्माण अतिक्रमण कर मार्ग पर किया गया है। उपरोक्त निर्माण कार्य खुलेआम किया जा रहा है, जिससे गोंदिया नगर परिषद प्रशासन व नगर रचना विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

हालांकि प्रशासन द्वारा शहर में अस्थाई अतिक्रमण पर कार्यवाही करने का श्रेय लिया जा रहा है, किंतु पक्के अतिक्रमण के ऊपर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होने से आए दिन शहर के मार्ग गलियों में तब्दील हो रहे हैं। जिससे आम नागरिकों के साथ-साथ अतिक्रमण करने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किंतु इसकी चिंता किसे है?

गौरतलब है कि गोंदिया शहर की खूबसूरती पर अतिक्रमण का बदनुमा दाग लग चुका है। जिससे शहर की सुंदरता नष्ट होने के साथ ही शहर के सभी प्रमुख मार्ग गलियों के रुप में तब्दील हो चुके हैं। क्योंकि सभी प्रमुख मार्गों पर पक्के अतिक्रमण हो चुके हैं। जिन पर प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं किए जाने से नए अतिक्रमणकारियों को प्रशासन की कार्रवाई का डर नहीं है।

इसी के चलते गोंदिया नगर परिषद कार्यालय से कुछ ही अंतर पर पुराने बस स्टैंड मार्ग पर स्थित एक आईल व्यापारी द्वारा निर्माण किए जा रहे हैं मकान की सीढ़ियां नगर परिषद की नाली व मार्ग पर अतिक्रमण कर खुलेआम निर्माण किया जा रहा है। क्योंकि उसे पता है कि उस पर किसी भी प्रकार की प्रशासन द्वारा कार्यवाही नहीं की जाएंगी। इस संदर्भ में जब निर्माणाधीन बांधकाम स्थान पर पहुंचकर जानकारी प्राप्त करनी चाही तो वहां पर उपस्थित व्यक्तियों द्वारा जानकारी देने से मना किया। जानकारी दी कि उपरोक्त सीढ़ी व बांधकाम के निर्माण के लिए नगर परिषद प्रशासन से मंजूरी प्राप्त हो चुकी है। जिससे नगर परिषद प्रशासन के नगर रचना विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

<u>नगर रचना विभाग के कार्य क्या?</u>

गोंदिया नगर परिषद के अंतर्गत आने वाले नगर रचना विभाग द्वारा शहर में संबंधित निर्माण कार्य के लिए नक्शे की मंजूरी नियमानुसार दी जाती है। लेकिन गोंदिया शहर में मंजूर नक्शे के अनुसार बांधकाम हुआ कि नहीं इस पर अब तक नगर रचना विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की जांच नहीं की जाती। समय-समय पर सर्वे नगर रचना विभाग द्वारा शहर में होने वाले निर्माण कार्यों का समय-समय पर सर्वे करना अनिवार्य है, किंतु गोंदिया नगर परिषद के नगर रचना विभाग द्वारा सर्वे नहीं किया जाता है। वर्तमान में नगर रचनाकार सर्वेश चॉपले, रचना सहायक प्रतिक नाकाढ़े व सौरभ कावड़े द्वारा सिर्फ कार्यालयीन कार्यवाही में ही मस्त रहते हैं। नगर रचना विभाग द्वारा नक्शों की मंजूरी के लिए आने वाले नागरिकों व गुंठेवारी के तहत अकृषक के लिए आने वाले नागरिकों से सिर्फ विभिन्न नियमों का हवाला देते हुए वसूली करने में ही व्यस्त है।

<u>अस्थाई अतिक्रमण पर कार्रवाई</u>

गोंदिया नगर परिषद द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से मार्गो के किनारे अस्थाई अतिक्रमण पर ही कार्रवाई की जा रही है। जिसके अंतर्गत 8 मार्च को गांधी प्रतिमा से गोरेलाल चौक, गोरेलाल चौक से रेलवे स्टेशन श्री टॉकीज चौक तक कार्रवाई की गई है। उपरोक्त कार्रवाई मात्र खानापूर्ति ही होती है। क्योंकि अतिक्रमण पर पहले दिन कार्रवाई होने के पश्चात दूसरे दिन जस की तस स्थिति निर्माण हो जाती है। किंतु प्रशासन द्वारा अतिक्रमण पर की कार्रवाई करने के नाम पर दिखावा ही साबित होता है। क्योंकि स्थाई अतिक्रमण पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई प्रशासन द्वारा अब तक अपने अधिकारों का उपयोग पर नहीं की गई है। जब इस संदर्भ में कोई शिकायत देता है यह जानकारी देती है तो सिर्फ खानापूर्ति कर स्थाई अतिक्रमणकारियों को अभय प्रदान होता है जिससे शहर में अतिक्रमणकारियों के हौसले दिनों दिन बुलंद होते जा रहे हैं। शहर अतिक्रमित शहर बनता जा रहा है। जल्द ही संभावना बनी है कि शहर के प्रमुख मार्गों पर पूरी तरह अतिक्रमण हो जाएगा जिससे नागरिकों का भी चलना दूभर हो जाएगा।

मामले की जांच कर जल्द ही कार्रवाई गोंदिया शहर के नगर परिषद कार्यालय के पीछे पुराना बस स्टैंड मार्ग पर एक आईल व्यापारी द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण के संदर्भ में नगर परिषद मुख्यअधिकारी द्वारा को जानकारी देने के पश्चात उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच कर जल्द ही नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- करण चौहान
प्रशासक व मुख्य अधिकारी, नप गोंदिया

दंत रोगतज्ञ महिला डॉक्टर ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बुलंद संवाददाता तिरोड़ा - तिरोडा शहर के वीर सावरकर वार्ड निवासी दंत रोगतज्ञ महिला चिकित्सक डॉ. नेहा हेमराज पारधी (30) ने अपने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उपरोक्त घटना 4 मार्च की सुबह 9.30 बजे के दौरान सामने आयी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सेजगांव निवासी डॉ. नेहा हेमराज पारधी वर्तमान समय में तिरोड़ा के वीर सावरकर वार्ड में भारत चौधरी के घर के समीप के मकान में गत कुछ दिनों से किराए से रह रही थी। 4 मार्च की सुबह 9 बजे के दौरान उसके मकान का दरवाजा बंद था। जिसके चलते मकान मालिक के घर की महिला द्वारा दरवाजे को खटखटा कर आवाज दी गयी। किंतु किसी भी प्रकार का जवाब नहीं मिलने पर किचन के समीप की खिड़की को तोड़कर बर्तन फेका कि जिससे वे उठ जाए। किंतु किसी भी प्रकार का जवाब नहीं मिला। जिससे किसी अनहोनी की आशंका सामने आने लगी। इसके पश्चात कारपेंटर को बुलाकर दरवाजे को खोला गया। दरवाजा खुलते ही फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया। जिसके पश्चात मकान मालिक द्वारा उपरोक्त घटना की जानकारी तिरोडा पुलिस थाने व डॉ. नेहा के पिता हेमराज अनंतराम पारधी को दी।

जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचकर शव का पंचनामा कर मृतक को फांसी के फंदे से नीचे उतारा व पोस्टमार्टम के लिए उप जिला चिकित्सालय भेजा गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. नेहा पारधी किराए के मकान में अकेली ही रहती थी तथा एक माह पूर्व ही उसका विवाह मध्यप्रदेश के बालाघाट में पक्का हुआ था, ऐसी जानकारी प्राप्त हुई। जिससे आत्महत्या का कारण अब तक पता नहीं चल पाया है।

उपरोक्त प्रकरण में फरियादी हेमराज अनंतराम पारधी सेजगांव निवासी की शिकायत पर तिरोडा पुलिस थाने में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक राधा लाटे द्वारा की जा रही है।

हवाला की ४ करोड़ २० लाख की नगद राशि जप्त

गोंदिया के 2 व नागपुर का 1 आरोपी हिरासत में

बुलंद संवाददाता नागपुर - नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार द्वारा हवाला तथा सडी सुपारी के व्यापारियों पर नकेल कसने के पश्चात पुलिस उपायुक्त गजानंद राजमाने द्वारा एक व्यापारी पर कार्रवाई कर हवाला व्यापार की 4 करोड़ 20 लाख की नगद राशि जप्त की। जिसमें गोंदिया निवासी वर्धमान विलासभाई पच्चीकर (45) व शिवकुमार हरिशचंद दीवानीवाल (52) तथा नागपुर निवासी नेहाल सुरेश वडालिया (38) को हिरासत में लिया है।

गौरतलब है कि हवाला के माध्यम से करोड़ों रुपए की राशि इधर से उधर अवैध रुप से की जाती है। जिस पर नागपुर पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई कर आरोपियों को हिरासत में लेने के साथ करोड़ों रुपए की नगद राशि जब्त की जा रही है। इसी प्रकार का एक मामला 4 मार्च की रात को सामने आया। जिसमें पुलिस उपायुक्त गजानन राजमाने को गुप्त जानकारी प्राप्त होने पर कोतवाली पुलिस थाना अंतर्गत कुंभारपुरा रेणुका माता मंदिर के समीप एक अपार्टमेंट में छापामार कार्रवाई की गई। जिसमें 4 करोड़ 20 लाख रुपए की बेहिसाब राशि जप्त की गई। जिसमें 100, 200, 500 व 2000 के नोट जब्त किए गए। उल्लेखनीय है कि नोटों की गिनती करने के लिए पुलिस को नोट गिनने वाली मशीन बुलवानी पड़ी। जिसकी गिनती सुबह तक की गई। इस प्रकार की जानकारी उपायुक्त गजानंद राजमाने द्वारा दी गई है। जिसमें अंदाजन 2000 के 40 लाख तथा 100 व 200 के 5 लाख तथा शेष 500 की नोट पाए गए हैं। विशेष यह है कि उपरोक्त राशि गुजरात से हवाला के माध्यम से भेजे जाने का संदेह है। किंतु यह राशि कहां से आई तथा कहां भेजी जाने वाली थी इसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। जिसके चलते फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता। इस संदर्भ में और अधिक आरोपी सामने आ सकते हैं। साथ में गोंदिया के भी अनेक व्यापारीयों पर कार्यवाही होने की संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा

योग करो बनो निरोगी - वर्षा पटेल

बुलंद गोंदिया - योग एक कला है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ता है और हमें मजबूत और शांतिपूर्ण बनाता है। योग आवश्यक है क्योंकि यह हमें फिट रखता है, तनाव को कम करने में मदद करता है और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखता है और एक स्वस्थ मन ही अच्छी तरह से ध्यान केंद्रित करने में सहायता कर सकता है। शरीर, मन और आत्मा को नियंत्रित करने में योग मदद करता है। शरीर और मन को शांत करने के लिए यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। यह तनाव और चिंता का प्रबंधन करने में भी सहायता करता है और आपको आराम से रहने में मदद करता है। योग आसन शक्ति, शरीर में लचीलेपन और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए जाना जाता है इसलिए योग को अपनाएं और जीवन भर के लिए खुद को निरोगी बनाएं, ऐसा कथन

गोंदिया सांस्कृतिक मंच की संचालिका वर्षा पटेल ने किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विद्या योग पीठ की ओर से महिलाओं के लिए उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर मार्गदर्शन का अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम के आयोजन किया गया था। जिसमें वह बोल रही थी। उन्होंने महिलाओं के समस्याओं से संबंधित अनेक विषयों पर मार्गदर्शन किया।

इस कार्यक्रम में उद्घाटन के रुप में उपस्थित थी। कार्यक्रम की अध्यक्ष विद्या योग पीठ की संचालिका विद्या दयानी उपस्थिति तथा प्रमुख अतिथि के रुप में नवसंजीवनी बहुउद्देशीय संस्था की संचालिका भगत पारधी, आज फोरम की संचालिका मंजू कटरे, मोहिनी मुदलियार, शिवानी गाडलानी, रिया गजापुरे उपस्थित थी। कार्यक्रम में सभी अतिथियों ने महिलाओं के अनेक समस्याओं पर प्रकाश डाला व विचार व्यक्त किए। विद्या योगपीठ की ओर से विद्या योगपीठ की संचालिका विद्या दयानी ने महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधित अनेक समस्याओं पर मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए अग्रसेन भवन के संचालक जिमी गुप्ता, भारत गोप्लानी, विद्या योगपीठ के सभी पदाधिकारी ने सहयोग किया।

संपादकिय

महंगाई बेकाबू ना हो जाए...

तेल कंपनियों ने फिलहाल तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया है। संभवत: ऐसा पांच राज्यों में जारी चुनाव के कारण हुआ है। मगर मतदान खत्म होने के बाद अभी कुछ समय मिली राहत जारी नहीं रह पाएगी। 2014 के बाद पहली बार हुआ, जब कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई।

भारत के लोग पहले से ही कमरतोड़ महंगाई के बीच जी रहे है। इसी बीच रुस-यूक्रेन संकट ने नई स्थिति पैदा कर दी है। इस वजह से कच्चे तेल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी इजाफा हुआ है। नतीजतन, उच्च मुद्रास्फीति के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने की संभावना पैदा हो गई है। इस समय भारत कच्चे तेल की अपनी जरुरत का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है, जो सालाना करीब 150 अरब डॉलर है। कच्चे तेल की कीमतों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी का पेट्रोल और डीजल की घरेलू कीमतों पर सीधा असर होगा। हालांकि भारतीय तेल कंपनियों ने फिलहाल तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया है। समझा जाता है कि ऐसा पांच राज्यों में जारी चुनाव के कारण हुआ है। मगर मतदान खत्म होने के बाद अभी कुछ समय मिली राहत जारी नहीं रह पाएगी। गौरतलब है कि सितंबर 2014 के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार गई। रुस और यूक्रेन में तनाव अक्टूबर 2021 में बढ़ना शुरु हुआ, उस वक्त तेल 85 डॉलर प्रति बैरल पर था। तब से लेकर अब तक इसकी कीमत में करीब 24 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है।

ऐसे में इस आशंका का ठोस आधार है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के परिणामों का एलान के बाद पेट्रोल-डीजल के दाम तेजी से बढ़ेंगे। विश्लेषकों ने अनुमान लगाया है कि खुदरा ईंधन की कीमतों में करीब 8-10 रुपये प्रति लीटर की एक साथ बढ़ोतरी होगी। गौरतलब है कि रुस और यूक्रेन के बीच तनाव का असर भारतीय रुपये पर भी देखने को मिला है। डॉलर के मुकाबले रुपये और कमजोर होने की संभावना बनी हुई है। इसका अर्थ है कि यूक्रेन संकट का सीधा असर भारत की आम जनता पर भी पड़ेगा। पेट्रोल-डीजल, गैस, खाद्य तेल और गेहूं जैसी कमोडिटीज महंगी होंगी। प्राकृतिक गैस महंगी होने से फर्टिलाइजर, बिजली और ऐसे सभी रसायनों के दाम बढ़ेंगे जिनके उत्पादन में गैस का इस्तेमाल होता है। पूरी दुनिया में रुस अकेले 12 प्रतिशत के करीब कच्चे तेल का उत्पादन करता है। बाकी देशों के अलावा भारत रुस से कच्चा तेल, गैस, सैन्य उपकरण आदि खरीदता है। भारत यूक्रेन से दवा, मशीन, रसायन, पॉलिमर और खाने का तेल खरीदता है। ऐसे में रुस और यूक्रेन के बीच जो संकट खड़ा हुआ है, उसका भारत पर असर पड़ना ही है।

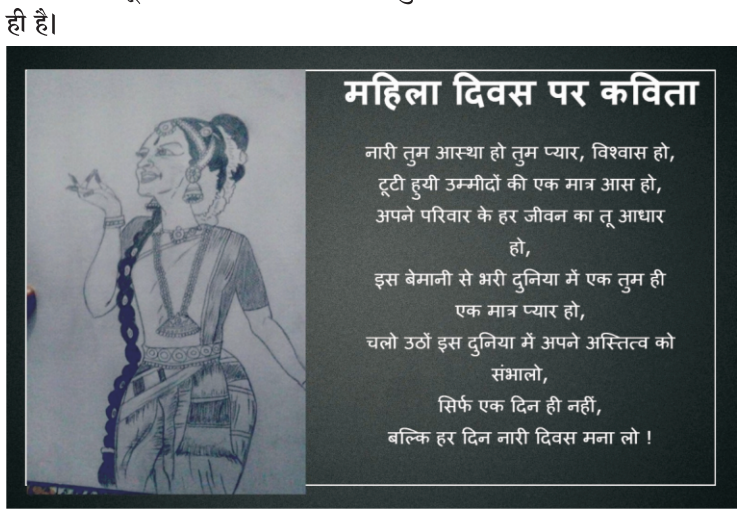

सशक्त नारी संघटना का गठन कर इंजि. शिखा पिपलेवार ने सैकड़ों महिलाओं को कोरोना काल मे दिखाया रोजगार का मार्ग

शासकीय कार्य स्थल में महिला अधिकारी के रूप में कठिनाइयों व संघर्षों से मिली प्रेरणा

महिला दिन विशेष

बुलंद गोंदिया - शासकीय सेवा में कार्यरत रहते हुए समाज के लिए निरंतर समाज सेवा करने के उदाहरण समाज में बहुत ही कम सामने आते हैं। लेकिन गोंदिया के जलसंपदा विभाग में उप कार्यकारी अभियंता के पद पर कार्यरत रहते हुए समाज की अन्य महिलाओं की सहायता कर उन्हें कोरोना संक्रमण काल में रोजगार का मार्ग दिखाने के साथ ही विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से रोजगार भी उपलब्ध करवाने का साहसिक कार्य इंजीनियर शिखा सुरेश पिपलेवार द्वारा किया जा रहा है।

इस कार्य के लिए उन्होंने सशक्त नारी संघटना का गठन कर अपने इस कार्य को गोंदिया शहर के साथ-साथ जिले व आसपास के जिलों तक पहुंचाने का कार्य कर हजारों महिलाओं को एक सूत्र में बांधा है। जिसके चलते आज गोंदिया जिले के साथ-साथ विदर्भ के अनेक जिलों तथा पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के बालाघाट तथा सिवनी जिले में भी शिखा पिपलेवार का नाम अब अनजान नहीं है।

शिखा पिपलेवार छात्र जीवन से ही शिक्षा के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट विद्यार्थी के रुप में शिक्षा पूर्ण की। जिसमें कक्षा दसवीं में नागपुर डिवीजन में टॉपर, 12 वी बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहने के साथ ही बी-टेक सिविल इंजीनियरिंग व एम-टेक एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग में यूनिवर्सिटी में टॉपर होने के साथ ही गोल्ड मेडल भी प्राप्त किया।

जिसके पश्चात उन्हें महाराष्ट्र जलसंपदा विभाग में उप कार्यकारी अभियंता के रुप में नियुक्ति मिली। जिनकी पहली नियुक्ति नांदेड में हुई तथा उसके पश्चात गोसेखुर्द पुनर्वासन के उपविभाग कुही/भिवापुर, नागपुर में उन की नियुक्ति हुई। इस दौरान एक महिला अधिकारी के रुप में आने वाली विभिन्न कठिनाइयों व संघर्षों तथा कार्य के दौरान पुनर्वासन क्षेत्रों के नागरिकों की परेशानियों को समीप से देखने के पश्चात समाज सेवा व महिलाओं के सामने आने वाली विभिन्न परेशानियों, बेरोजगारी और रोजगार की समस्या व विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव व अन्याय को दूर करने के लिए अपने जीवन में एक प्रण लेकर महिला समाज सेवा का बीड़ा उठाया। जिसके लिए गोंदिया में जो उनका गृहनगर भी है दिसंबर 2018 में उप कार्यकारी अभियंता के पद पर जलसंपदा विभाग में नियुक्ति होने पर सशक्त नारी संघटन का गठन कर गोंदिया सहित विदर्भ के अनेक जिलों व मध्यप्रदेश के बालाघाट शिवनी जिलें में शाखा का निर्माण कर हजारों महिलाओं को जोड़कर समाज सेवा के माध्यम से विभिन्न कार्य शुरु किए।

इस दौरान कोरोना संक्रमण काल में जब सभी नागरिक अपने घरों में कैद हो गए तथा उनके सामने आर्थिक संकट निर्माण हुआ तो इन परेशानियों को देखते हुए महिलाओं को उनके घर में ही रहकर कार्य कर रोजगार उपलब्ध करा आर्थिक रुप से सक्षम बनाने के लिए विभिन्न उपक्रम शुरु किए। जिसके लिए सर्वप्रथम विभिन्न सोशल मीडिया के मंच के माध्यम से उन्हें एकत्र कर वेबीनार, गूगल मीट के माध्यम से विभिन्न गृहउद्योग का प्रशिक्षण निशुल्क उपलब्ध कराने का कार्य शुरु किया। जिसमें मास्क, जूट बैग, ब्यूटी पार्लर ट्रेनिंग, राखी का निर्माण व अन्य घरेलू कुटीर उद्योग की जानकारी उपलब्ध कराई।

उल्लेखनीय है कि यह कार्य उन्होंने निशुल्क उपलब्ध कराने के साथ ही इसमें जो महिला जिस क्षेत्र में पारंगत थी व अन्य दूसरी महिलाओं को उसकी जानकारी इसी मंच पर दे, इसके लिए भी विशेष कार्य किया। जिससे एक नई श्रंखला निर्माण हुई। महिलाओं को आपस में ही तालमेल बनाकर एक विशाल मंच तैयार किया उसके पश्चात निर्मित उत्पादनो की बिक्री भी ऑनलाइन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध करवाया। जिससे महिला सशक्तिकरण आर्थिक सशक्तिकरण को कुछ हद तक करने में उन्हें सफलता प्राप्त हुई।

विभिन्न क्षेत्रों की जानकारी महिलाओं तक उपलब्ध कराई

महिलाओं को सोशल मीडिया मंच के माध्यम से व समय-समय पर सेमिनार कर आर्थिक उद्योग को सक्षम व मजबूत करने के लिए शासकीय योजना, बैंकिंग, कर्ज प्रणाली आदि की जानकारी भी उपलब्ध करा कर उन्हें सहयोग प्रदान किया।

सांस्कृतिक व कीड़ा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य

महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ अपने सामाजिक कार्यों की श्रंखला को आगे बढ़ाते हुए खेल, सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यों में भी सशक्त महिला संघटना के संचालक के रुप में कार्य करते हुए खेल के क्षेत्र में समय-समय पर क्रिकेट, चेस, सेल्फ डिफेंस, मार्शल आर्ट आदि का प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया।

परिवारिक जिम्मेदारियों की जानकारी

परिवार को एकजुट बनाए रखने तथा नवविवाहित युगलों को दोनों परिवारों में आपसी सामंजस व तालमेल बनाकर रखने तथा परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए नवविवाहित उनको प्रोत्साहन व मार्गदर्शन देने का कार्य अभी किया गया।

शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा में लड़कियों की सहभागिता बढ़ाने के लिए समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा के संदर्भ में सेमिनार व जानकारी उपलब्ध करवाई।

कोरोना संक्रमण काल के साथ-साथ सामान्य समय में भी सभी नागरिकों को तथा विशेषकर महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधित जन जागृति मेडिकल कैंप, योग, प्राणायाम, ध्यान तथा आध्यात्मिक प्रगति के लिए प्रोत्साहित किया गया।

विभिन्न सामाजिक संगठनों में सहभागिता

सशक्त नारी संघटना के साथ-साथ अन्य संगठनों में ओबीसी गोंदिया जिला युवती अध्यक्ष व अखिल भारतीय कलार महिला संघटना की राष्ट्रीय अध्यक्ष गोंदिया शहर की अनेक सामाजिक संगठनों के साथ जुड़कर निरंतर विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका को मजबूती से रख समाज कार्य कर इंजीनियर शिखा पिपलेवार अपने समाज सेवा के लक्ष्य आगे बढ़ा रही है।

सावित्रीबाई फुले पुण्यतिथी

सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले (3 जनवरी 1831 - 10 मार्च 1897) भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवियत्री थीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव गोविंदराव फुले के साथ मिलकर स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की।

परिचय

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी था। सावित्रीबाई फुले का विवाह 1840 में ज्योतिराव फुले से हुआ था।

सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। महात्मा ज्योतिराव को महाराष्ट्र और भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन में एक सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति के रुप में माना जाता है। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। ज्योतिराव, जो बाद में ज्योतिबा के नाम से जाने गए सावित्रीबाई के संरक्षक, गुरु और समर्थक थे। सावित्रीबाई ने अपने जीवन को एक मिशन की तरह से जीया जिसका उद्देश्य था विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की मुक्ति और महिलाओं को शिक्षित बनाना। वे एक कवियत्री भी थीं उन्हें मराठी की आदिकवियत्री के रुप में भी जाना जाता था।

सामाजिक मुश्किलें

वे स्कूल जाती थीं, तो विरोधी लोग उनपर पत्थर मारते थे। उन पर गंदगी फेंक देते थे। आज से 171 साल पहले बालिकाओं के लिये जब स्कूल खोलना पाप का काम माना जाता था तब ऐसा होता था।

सावित्रीबाई पूरे देश की महानायिका हैं। हर बिरादरी और धर्म के लिये उन्होंने काम किया। जब सावित्रीबाई कन्याओं को पढ़ाने के लिए जाती थीं तो रास्ते में लोग उन पर गंदगी, कीचड़, गोबर, विष्ठा तक फेंका करते थे। सावित्रीबाई एक साड़ी अपने थैले में लेकर चलती थीं और स्कूल पहुंच कर गंदी कर दी गई साड़ी बदल लेती थीं। अपने पथ पर चलते रहने की प्रेरणा बहुत अच्छे से देती हैं।

विद्यालय की स्थापना

3 जनवरी 1848 में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ उन्होंने महिलाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। एक वर्ष में सावित्रीबाई और महात्मा फुले पांच नये विद्यालय खोलने में सफल हुए। तत्कालीन सरकार ने इन्हे सम्मानित भी किया। एक महिला प्रिंसिपल के लिये सन् 1848 में बालिका विद्यालय चलाना कितना मुश्किल रहा होगा, इसकी कल्पना शायद आज भी नहीं की जा सकती। लड़कियों की शिक्षा पर उस समय सामाजिक पाबंदी थी। सावित्रीबाई फुले उस दौर में न सिर्फ खुद पढ़ीं, बल्कि दूसरी लड़कियों के पढ़ने का भी बंदोबस्त किया।

एक वाक्ये ने बदली जिंदगी

सावित्रीबाई फुले का विवाह मात्र 9 साल की उम्र में ज्योतिराव फुले से हो गया था। जब सावित्रीबाई की शादी हुई इस दौरान वे अनपढ़ थीं। वहीं उनके पति मात्र तीसरी कक्षा तक ही पढ़े थे। पढ़ाई का जो ख्वाब सावित्रीबाई ने देखा था उन्होंने शादी के बाद उसपर रोक नहीं लगने दी। एक दिन जब वो कमरे में अंग्रेजी किताब के पन्ने पलट रही थीं, इस दौरान उनेके पिता खण्डोजी की नजर उन पर पड़ी। सावित्रीबाई के हाथ में किताब देखते ही खण्डोसी भड़क उठे और सावित्रीबाई के हाथों से किताब लेकर बाहर फेंक दिया। खण्डोसी नेवसे का कहना था कि शिक्षा केवल उच्च जातियों के लिए पुरुषों का हक है। दलित महिलाओं के लिए शिक्षा लेना पाप है। इस घटना के बाद सावित्रीबाई फुले ने ठान लिया किया वे जरुर पढ़ेंगी।

लोगों ने किया अपमान

सावित्रीबाई फुले ने जो प्रण लिया था यह बात उस समय के समाज को अच्छी नहीं लगी। दलित लड़की स्कूल जाकर शिक्षा ग्रहण करे, यह बात किसी को रास नहीं आया। इसका नतीजा यह हुआ कि सावित्रीबाई फुले जब भी स्कूल जाती थीं तो लोग उनपर पत्थर मारते थे। साथ ही कुछ लोग उनपर गंदगी फेंककर उन्हें अपमानित करते थे। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर इतिहास रचा और लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई। बता दें कि सावित्रीबाई फुले ने खुद शिक्षा ग्रहण की और 18 स्कूल खोले ताकि कोई भी अनपढ़ न रह सके। साथ ही साल 1848 में पुणें में देश के सबसे बड़े बालिका स्कूल भी इन्होंने ही खोला था।

बुराईयों का किया विरोध

सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा ग्रहण करने व सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। उन्हें छूआ-छूत, सतीप्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाध निषेध जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। इस कारण समाज में उन्हें काफी अपमानित होना पड़ता। लेकिन इस बीच उन्होंने एक लड़की की जिंदगी बचाई। दरअसल एक दिन विधवा ब्राम्हण महिला काशीबाई आत्महत्या करने जा रही थी, जो गर्भवती थीं। लेकिन सावित्रीबाई ने इन्हें बचाया और अपने घर पर ही इनके बच्चे की डिलीवरी कराई। उस बच्चे का नाम यशवंत रखा गया। बता दें कि सावित्रीबाई ने यशवंत को अपना दत्तक पुत्र चुना और परवरिश की। यशवंतराव बाद में जाकर डॉक्टर बनें, जिसका श्रेय सावित्रीबाई फुले को ही दिया जाता है।

निधन

10 मार्च 1897 को प्लेग के कारण सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया। प्लेग महामारी में सावित्रीबाई प्लेग के मरीजों की सेवा करती थीं। एक प्लेग से प्रभावित बच्चे की सेवा करने के कारण इनको भी प्लेग हो गया और इसी कारण से उनकी मृत्यु हुई।

जागो ग्राहक जागो

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर जानें अपने अधिकार

दुनिया एक बाजार है और इससे कमाई करने के लिए बेरहम कारोबारी और निरीह ग्राहक दोनों मौजूद हैं। चालाक और क्रूर बाजार के हाथों ग्राहक को बचाने के लिए उपभोक्ता अदालत से लेकर ग्राहकों के अधिकार बनाए गए थे। 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

आज ही के दिन कैनेडी ने रखी थी उपभोक्ता अधिकारों की नींव

1962 को अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी ने अमेरिकी कांग्रेस को संदेश देते हुए उपभोक्ताओं के अधिकारों का जिक्र किया था। इसी दिन की याद में दुनिया भर में आज के दिन को उपभोक्ता अधिकार दिवस के तौर पर मनाया जाता है। कैनेडी दुनिया के पहले नेता थे जिन्होंने ग्राहकों के अधिकारों के बारे में सोचा था। ग्राहकों ने 1983 में पहली बार इस दिन की अहमियत को पहचाना और इस दिन को ही विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के तौर पर मनाना शुरु कर दिया। हर साल इस दिन ग्राहकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इस दिन विचार-विमर्श किया जाता है।

बदलते गए बाजार बदलते गए ग्राहक और उनके अधिकार

गांव में अनाज के बदले सामान लेने से शुरु हुई मोहल्ले की दुकान आज बिग बाजार और बड़े-बड़े मॉल का रास्ता पार करते हुए अब ऑन लाइन शॉपिंग तक पहुंच चुकी है। इसी के साथ बाजार के नाम पर फ्रॉड के तरीके भी बदलते जा रहे हैं। ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर लोगों के साथ ठगी के तरीके लगातार बदलते जा रहे हैं। जाहिर है लोगों के उपभोक्ता अधिकार और उपभोक्ता अदालत में आने वाले मामलों का प्रारुप भी लगातार बदलता जा रहा है। इसी के साथ ग्राहकों को मिलने वाले अधिकारों में भी वक्त के साथ काफी बदलाव होते जा रहे हैं।

जागो ग्राहक जागो, जानो क्या हैं आपके अधिकार

हम में से हर व्यक्ति किसी न किसी रुप में उपभोक्ता है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान खरीदता है वह उपभोक्ता है। आज उपभोक्ता जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, अधिक दाम, कम नाप-तौल इत्यादि संकटों से घिरा है। भारत में 24 दिसंबर, 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम-1986 लागू किया गया। इसे 2000 से लागू किया गया था। ये दिन इसीलिये मनाया जाता है ताकि उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया जा सके और इसके साथ ही अगर वो धोखाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली आदि का शिकार होते हैं तो वो इसकी शिकायत कर सकें।

ये हैं आपके अधिकार

जीवन एवं संपत्ति के लिए हानिकारक सामान और सेवाओं की बिक्री के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार। खरीदी गई वस्तु की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, स्तर और मूल्य, जैसा भी मामला हो, के बारे में जानकारी का अधिकार, ताकि उपभोक्ताओं को गलत व्यापार पद्धतियों से बचाया जा सके। जहां तक संभव हो उचित मूल्यों पर विभिन्न प्रकार के सामान तथा सेवाओं तक पहुंच का आश्वासन। उपभोक्ताओं के हितों पर विचार करने के लिए बनाए गए विभिन्न मंचों पर प्रतिनिधित्व का अधिकार। अनुचित व्यापार पद्धतियों या उपभोक्ताओं के शोषण के विरुद्ध निपटान का अधिकार। सूचना संपन्न उपभोक्ता बनने के लिए ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अधिकार। अपने अधिकार के लिए आवाज उठाने का अधिकार।

कौन कर सकता है उपभोक्ता अदालत में शिकायत

किसी व्यापारी द्वारा यदि उपभोक्ता को हानि हुई है, खरीदे गए सामान में यदि कोई खराबी है, किराए पर ली गई सेवाओं मे कमी पाई गई है, विक्रेता ने आपसे प्रदर्शित मूल्य से अधिक मूल्य लिया है तो वो इसकी शिकायत कर सकता है। इसके अलावा अगर किसी कानून का उल्लंघन करते हुए जीवन तथा सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करने वाला सामान जनता को बेचा जा रहा है तो आप शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

कहां की जा सकती है शिकायत

शिकायत कहां की जाए, यह बात सामान सेवाओं की लागत अथवा मांगी गई क्षतिपूर्ति पर निर्भर करती है। अगर यह राशि 20 लाख रुपये से कम है तो जिला फोरम में शिकायत करें। यदि यह राशि 20 लाख से अधिक लेकिन एक करोड़ से कम है तो राज्य आयोग के सामने और यदि एक करोड़ रुपसे अधिक है तो राष्ट्रीय आयोग के सामने शिकायत दर्ज कराएं। वैबसाइट www.fcamin.nic.in पर सभी पते उपलब्ध हैं।

कैसे कर सकते हैं शिकायत

उपभोक्ता या शिकायतकर्ता सादे कागज पर ही शिकायत दर्ज करवा सकता है। शिकायत में शिकायतकर्ताओं तथा विपरीत पार्टी के नाम का विवरण तथा पता, शिकायत से संबंधित तथ्य एवं यह सब कब और कहां हुआ आदि का विवरण, शिकायत में उल्लिखित आरोपों के समर्थन में दस्तावेज साथ ही प्रामाणिक एजेंट के हस्ताक्षर होने चाहिए। इस प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए किसी वकील की आवश्यकता नही होती। साथ ही इस कार्य पर नाम मात्र का न्यायालय शुल्क लिया जाता है।

साभार : विकिपिडिया

प्रभाग ४ के अधूरे नाले का निर्माण जल्द से जल्द करें शुरु

आलोक मोहंती के नेतृत्व में मुख्यधिकारी को दिया ज्ञापन

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत आनेवाले प्रभाग क्रमांक 4 का छोटा नाला जिसका निर्माण कार्य गत 3 सालों से अधूरा पड़ा है। जिसे जल्द से जल्द शुरु करने की मांग को लेकर आलोक मोहंती के नेतृत्व में प्रभाग 4 के नागरिकों के शिष्टमंडल द्वारा नगर परिषद के मुख्याधिकारी को ज्ञापन देकर की है।

कि ज्ञापन में बताया गया कि उपरोक्त नाले का कार्य संबंधित ठेकेदार पिंटू माने व पार्षद सतीश देशमुख की अनदेखी के चलते अधूरा पड़ा है। साथ ही स्ट्रीट लाइट का भी मुद्दा गंभीर बना हुआ है।

<u>प्रोग्रेसिव स्कूल का मार्ग संचालक कटकवार ने किया बंद</u>

इस दौरान निवेदन में बताया गया कि मनोज पटेल के निवास स्थान से प्रोग्रेसिव स्कूल जानेवाली सड़क को संचालक कटकवार द्वारा बंद कर दिया गया है। जिससे क्षेत्र के नागरिकों का आवागमन बंद हो गया है। इस मामले में भी संबंधित अधिकारी द्वारा जल्द से जल्द निवारण कर उपरोक्त मार्ग को शुरु करने की मांग की गई। जिस पर प्रशासकीय अधिकारी सी.ए. राने द्वारा आश्वासन दिया गया तथा जून महीने तक नाले का कार्य पूर्ण करने व मार्ग को जल्द से जल्द शुरु करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस समिति के सचिव अमर वराडे, एनएसयूआई के हरीश तुलसकर, मनोज पटले, सुरेश सुमन, कालू यादव, शेखर राव, सुनील रिक्शाशन तथा प्रभाग के अनेक नागरिक व कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद थे।

हृदय उपचार के लिए १०५०० रुपये की आर्थिक मदत

बुलंद गोंदिया - जिला परिषद हॉयस्कुल बनाथर व हिंदी प्राथमिक पाठशाला बनाथर, शाला व्यवस्थापन समिती के अध्यक्ष फागुलाल सी. नागफासे की उपस्थिती मे विशेष सभा ली गई। जिसमे उपस्थित जि.प. हॉयस्कुल की मुख्याध्यपिका भौतीक एवं समस्त शिक्षकगण व हिंदी प्राथमिक पाठशाला बनाथर के मुख्याध्यापक धकाते एवं समस्त शिक्षकगण व केंद्र प्रमुख परमार की उपस्थिती मे कक्षा 4 थी के छात्र प्रिंस महेश मरठे के हृदय उपचार के लिए सहयोग व आर्थिक मदत रुपये 10500 की नगद राशी उसके पिता महेश मरठे को प्रदान की गई तथा छात्र के जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए शुभकामनाएं दी गई।

भाजपा महिला मोर्चा जिला प्रभारी सीताताई रहांगडाले

बुलंद गोंदिया - भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष उमा खापरे ने भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सदस्य सीता रहांगडाले को भाजपा महिला मोर्चा गोंदिया जिला प्रभारी नियुक्त किया है। उमा खापरे द्वारा दिए गए नियुक्ति पत्र में सीता रहांगडाले ने विश्वास व्यक्त किया कि वह भाजपा के संगठनात्मक कार्य को और मजबूत बनाने के लिए मोर्चे के माध्यम से अच्छा काम करेंगी। साथ ही नई जिम्मेदारी की सफलता पर बधाई। भाजपा जिलाध्यक्ष केशवराव मानकर, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने उन्हें उनकी नियुक्ति पर बधाई दी है।

हाईमास्ट लाइट शुरु करें मनसे की मांग

बुलंद गोंदिया - गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत प्रभाग क्रमांक 2 छोटा गोंदिया जो कि विकास कार्यों से कोसों दूर गोंदिया शहर के बाकी प्रभावों से खड़ा नजर आता है। छोटा गोंदिया प्रभाग में वैसे तो कोई विकास कार्य आसानी से होते ही नहीं है किंतु अगर बाकी प्रभागो से कहीं कोई कार्य बच जाता है तो बड़ी मुश्किल से उसे छोटे गोंदिया प्रभाग में दिया जाता है, और वह कार्य भी पूरा करने में काफी समय लग जाता है। इसी क्रम में जहां गोंदिया शहर के बाकी प्रभावों में कई हाईमास्ट लाइट लगकर के शुरु भी हो चुके हैं और उन प्रभागों में हाईमास्ट लाइट की रोशनी से प्रभाग जगमगा रहा है, वही छोटा गोंदिया प्रभाग क्रमांक 2 मैं गोवर्धन चौक पर विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के माध्यम से हाईमास्ट लाइट लगाने का कार्य किया गया। किंतु इसे लगाकर 2 माह से भी अधिक का समय बीत जाने के पश्चात भी अभी तक हाईमास्ट लाइट का काम पूरा ना होने से उसे शुरु नहीं किया जा सका है। जबकि कुछ दिनों पूर्व ही गोवर्धन चौक पर नगर परिषद गोंदिया द्वारा आठवडी बाजार भराने की मंजूरी प्रदान की गई है और बाजार भी भर रहा है।

उस परिसर में लाइट की व्यवस्था न होने से लोगों को अंधेरे में ही अपनी सब्जी, भाजी हो व अन्य प्रकार की दुकानें लगाना पड़ रहा है। उसी क्रम में गोविंदपुर प्रभाग क्रमांक 3 में डॉ. कारलेकर हॉस्पिटल के सामने हाई मास्ट लाइट लगाया गया है। किंतु वहां पर भी कंपनी द्वारा कार्य कछुआ गति से करने के कारण हाई मास्ट लाइट सिर्फ दिखावे के लिए लगाया गया है, ऐसा नागरिकों का कहना है। अगर लगाया ही गया है तो उसे शुरु क्यों नहीं किया जा रहा है? ऐसा परिसर के नागरिक सवाल पूछ रहे हैं। जिसको देखते हुए गोंदिया जिला मनसे के माध्यम से नगर परिषद मुख्य अधिकारी के नाम से ज्ञापन सौंपकर जल्द से जल्द छोटा गोंदिया और गोविंदपुर प्रभाव में लगे हुए हाईमास्ट लाइट शुरु करने की मांग की गई है। जिस पर हाईमास्ट लाइट लगाने वाले ठेकेदार द्वारा आश्वासन दिया गया है कि 1 सप्ताह के भीतर ही छोटा गोंदिया और गोविंदपुर प्रभाग के हाई मास्ट लाइट का काम पूर्ण होगा। परिसर में हाई मास्ट लाइट जल्द ही शुरु होंगे।

नगर परिषद मुख्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपते समय मनसे के जिला उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा, गोंदिया तालुका अध्यक्ष सुरेश ठाकरे, गोंदिया शहर अध्यक्ष राजेश नागोसे, शहर उपाध्यक्ष क्षितिज वैद्य, शहर उपाध्यक्ष आनंद राहुलकर, छोटा गोंदिया प्रभाग के सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु शर्मा, मुकेश शक्ति मिश्रा उपस्थित थे।

क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय में महिला दिवस

बुलंद गोंदिया - गोंदिया जिला क्रिड़ा अधिकारी कार्यालय व गेम्स स्पोर्ट्स एन्ड करियर डेवलोपमेन्ट फाउंडेशन, गोंदिया जिला हौसी बॉक्सिंग एसोसिएशन, शिव छत्रपति बहुदेशिय संस्था, गोंदिया जिला कराटे एसोसिएशन द्वारा जागतिक महिला दिवस गोंदिया जिला क्रीड़ा संकुल मे मनाया गया। कार्यक्रम घनश्याम राठौड़ गोंदिया जिला क्रीड़ा अधिकारी की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम मे विशेष रुप से धर्मिस्था सेंगर मा.अ.भा. संघठन प्रदेश सचिव, भावना कदम पूर्व पार्षद, चेतना ब्राह्मणकार स्काउट गाइड अधिकारी, आदेश शर्मा, मरसकोले क्रीड़ा अधिकारी, नाजुक उइके राज्य क्रीड़ा मार्गदर्शक, बारसागड़े वरिष्ठ लिपिक, चेतन मानकर फाउंडेशन अध्यक्ष उपस्थित थे। इन सभी अतिथियों का सत्कार विशालसिंह ठाकुर अध्यक्ष जिला कराटे एसोसिएशन, मुजीब बेग जिला बॉक्सिंग कोच, रविना बरेले कराटे कोच, विनेश फुंडे, याशिका परमार राष्ट्रीय खिलाडी, मिनल काढ़ाव द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष राठौड़ द्वारा आये हुए महिला अतिथि व महिला खिलाडी व उनकी माताओ को महिला दिवस की शुभकामनायें दी व कार्यक्रम मे उपस्थित होने पर आभार माना। आये हुए अतिथियों द्वारा महिला खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन दिया गया। गोंदिया जिला कराटे एसोसिएशन की खिलाड़ियों द्वारा केक काटकर महिला दिवस मनाया गया। सचालन व आभार प्रदर्शन मुजीब बेग द्वारा किया गया।

जंगली सुअरों के झुंड कठानी फसलों को कर रहे नष्ट

बुलंद संवाददाता, गोरेगांव - गोरेगांव तहसील के मोहगांव बु. में इन दिनों जंगली सुअरों का आतंक देखा जा रहा है। खेतों में उग आयी कठानी फसलों को नष्ट कर रहे है। जंगली सुअरों के झुंड ने लाखों रुपयों की चने की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिससे किसानों में चिंता बढ़ गई है। मांग की जा रही है कि वन विभाग द्वारा तत्काल पंचनामे कर नुकसान भरपाई दी जाए।

गौरतलब है कि जिले के किसानों द्वारा खरीफ फसल के बाद ग्रीष्मकालीन धान व कठानी फसलों का उत्पादन ले रहे है। कठानी फसलों में प्रमुखता से चना, लखोरी, अलसी, सरसो, उड़द सहित अन्य फसलों का समावेश है। लेकिन वन्यजीव इन फसलों को नष्ट कर रहे है। गोरेगांव तहसील के मोहगांव बु. में तो इन दिनों जंगली सुअरों के झुंड ने आतंक मचा दिया है। कई हेक्टर में लगी चने की फसलों को नष्ट कर दिया है। जिस कारण किसानों में चिंता बढ़ गई कि हाथ में आई फसल वन्यजीवों द्वारा फस्त की जा रही है। किसानों द्वारा मांग की गई कि तत्काल पंचनामे कर नुकसानग्रस्त किसानों को आर्थिक मुआवजा दिया जाए। अपनी फसलों को बचाने के लिए किसान रात के दौरान खेतों में जाकर फसलों की रखवाली कर रहे है। जंगली सुअरों का झुंड की भनक लगते ही किसानों द्वारा फटाके फोड़कर सुअरों को जंगल की ओर भगाया जा रहा है। जंगली सुअर भागने के चक्कर में खेतों से सटे दुसरे खेतों में जाकर फसलों को बर्बाद कर रहे है।

महावीर मारवाडी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया - महावीर मारवाडी स्कूल के तत्वधान में गेम्स स्पोर्ट्स एंड कैरियर डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम एवं निर्भया बेटी सुरक्षा अभियान मनाया गया। जिसमे 712वी से कक्षा 12वी तक की छात्राए उपस्थित थी। साथ ही छात्राओ को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्था सचिव प्रकाशचंद कोठरी, प्राजक्ता पवार पुलिस इंस्पेक्टर, रीना चौहान पुलिस विभाग, धर्मिष्ठा सेंगर मानवाधिकार संघटन, आदेश शर्मा, फाउंडेशन प्रशिक्षक दीपक सिक्का, फाउंडेशन प्रवक्ता मुजीब बेग, प्रधानाचार्य अजय शामका, अभिषेक अग्रवाल, पंकज शर्मा एवं सभी शिक्षिकाए तथा छात्राए उपस्थित थी।

इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल तथा अन्य सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई दी। उसी के साथ इस कार्यक्रम का संचालन हेमकांता बुड़ेकर नेकिया। प्रकाशचंद कोठारी ने नारी के विविध स्वरुप का बखान किया। सेंगर मैडम ने छात्राओ को जानकारी दी कि लड़किया बहुत अनमोल गहना है। आदेश शर्मा ने गुड टच और बैड टच की जानकारी दी। सोशल मीडिया के उपयोग किस प्रकार करने है और उससे बचाव कैसा करना है इसकी जानकारी भी उन्होंने दी। उसी के साथ रुचि झा ने स्वयं कविता का पठन तथा आभार प्रकट भी किया। इस कार्यक्रम को बनाने हेतु सहायक प्रशिक्षक रुपाली ऊके, मनीषा सहारे, पूजा परतेति का सहयोग रहा।

किसान की हकीकत

सरकारें किसानों और किसानी की दशा सुधारने का दम तो खूब भरती हैं, मगर हकीकत यह है कि कृषि क्षेत्र की हालत दिन पर दिन दयनीय होती गई है। कुछ साल पहले तक किसानों की आत्महत्या को लेकर सरकारें विपक्ष के निशाने पर हुआ करती थीं। उसके मद्देनजर अनेक योजनाएं तैयार की गई, जिनमें फसल बीमा, आसान शर्तों पर कृषि कर्ज आदि मुहैया कराने की व्यवस्था की गई। मगर उन योजनाओं का भी कोई लाभ नजर नहीं आया। हालांकि कई साल से किसानों की खुदकुशी से जुड़े आंकड़े उजागर नहीं हो रहे थे, इसलिए कई लोगों को भ्रम था कि अब किसानों की आत्महत्या का सिलसिला ऊक गया है। मगर हकीकत इसके उलट है।

लोकसभा में एक प्रश्न का लिखित जवाब देते हुए गृह राज्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन सालों में सत्रह हजार किसानों ने खुदकुशी की। यह आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो द्वारा दर्ज किया गया है। अपराध रिकार्ड ब्यूरो देश में दुर्घटना में होने वाली मौतों और खुदकुशी के मामलों का ब्योरा दर्ज करता है। यानी उसने वही ब्योरे दर्ज किए होंगे, जो उसे देश के विभिन्न थानों से प्राप्त हुए होंगे। इसलिए इस आंकड़े को लेकर कुछ लोगों को संदेह भी हो सकता है।

किसानों की हालत अब किसी से छिपी नहीं है। खेती-किसानी चूंकि घाटे का सौदा होती गई है, इसलिए बहुत सारे किसान अब आजीविका के दूसरे साधनों की तलाश में गांवों से पलायन कर जाते हैं। पूरे देश में खेतिहर मजदूरों की संख्या लगातार चिंताजनक ढंग से कम हो रही है। हालांकि केंद्र सरकार का दावा है कि वह छोटे और सीमांत किसानों की दशा सुधारने, उनकी आमदनी दोगुनी करने का प्रयास कर रही है, मगर स्थिति यह है कि न तो किसानों को अपनी फसल की वाजिब कीमत मिल पा रही है और न फसल बीमा जैसी योजनाओं का संतोषजनक लाभ। यही वजह है कि किसान लंबे समय से न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर कानून बनाने की मांग करते रहे हैं।

किसान आंदोलन को वापस कराने के लिए सरकार ने वादा किया था कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर जल्दी ही समिति गठित करेगी और कानून लाएगी, मगर उस दिशा में अभी तक कोई कदम नहीं बढ़ाया जा सका है, जिसके चलते फिर से किसानों में नाराजगी उभरती दिखने लगी है। छिपी बात नहीं है कि खाद, बीज, सिंचाई, खेतों की जुताई, फसल कटाई, माल ढुलाई आदि पर खर्च लगातार बढ़ता गया है, मगर उस अनुपात में फसलों की कीमतें तय नहीं हो पातीं। जो कीमतें तय होती भी हैं, उन पर सरकारें पूरी फसल की खरीद सुनिश्चित नहीं कर पातीं। ऐसे में किसान बिचौलिया व्यापारियों के चंगुल में फंस कर रह जाते हैं।

किसानों की खुदकुशी का मामला सीधे-सीधे उनकी दुर्दशा से जुड़ा है। बहुत सारे किसान कर्ज लेकर नगदी फसलों की बुआई करते हैं, मगर मौसम की मार की वजह से जब फसल चौपट हो जाती है, तो न तो फसल बीमा योजना से उसकी भरपाई हो पाती है और न उनके पास वह कर्ज उतारने का कोई अन्य साधन होता है। इस तरह कर्ज का बोझ बढ़ने से वे एक दिन जिंदगी से ही हार बैठते हैं। देश में अगर एक भी किसान को खेती में घाटे की वजह से खुदकुशी का रास्ता अख्तियार करना पड़ता है, तो यह सरकारों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। मगर सरकारों के माथे पर शिकन नजर नहीं आती।

रूस यूक्रेन युद्ध से एटमी खतरा

परमाणु संयंत्र हमले की जद से बाहर रहें

यूक्रेन के ही चेर्नोबिल में 1986 में हुई परमाणु संयंत्र दुर्घटना को दुनिया आज तक नहीं भूल पाई है। कहा गया कि अगर जोपोरिजझिया परमाणु संयंत्र में विस्फोट होता है तो वह चेर्नोबिल हादसे से दस गुना ज्यादा विनाशकारी साबित हो सकता है। गनीमत रही कि आग जिस बिल्डिंग में लगी थी, उसमें ट्रेनिंग दी जाती थी। कोई संवेदनशील मशीनरी वहां नहीं थी। उस आग पर भी समय रहते काबू पा लिया गया।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के नौवें दिन शुक्रवार को तड़के आयी जोपोरिजझिया परमाणु संयंत्र पर हमले की खबर ने पूरी दुनिया में बेचैनी फैला दी। यह यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु संयंत्र है। हमले की वजह से वहां एक इमारत में आग लग गई थी। यूक्रेन के ही चेर्नोबिल में 1986 में हुई परमाणु संयंत्र दुर्घटना को दुनिया आज तक नहीं भूल पाई है। कहा गया कि अगर जोपोरिजझिया परमाणु संयंत्र में विस्फोट होता है तो वह चेर्नोबिल हादसे से दस गुना ज्यादा विनाशकारी साबित हो सकता है।

गनीमत रही कि आग जिस बिल्डिंग में लगी थी, उसमें ट्रेनिंग दी जाती थी। कोई संवेदनशील मशीनरी वहां नहीं थी। उस आग पर भी समय रहते काबू पा लिया गया। इसके बाद आश्वस्त किया गया कि न्यूक्लियर प्लांट अब पूरी तरह सुरक्षित है। आईएईए (इंटरनैशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी) ने भी स्थानीय अधिकारियों से बातचीत के बाद बताया कि संयंत्र के आसपास रेडिएशन लेवल में कोई बढ़ोतरी नहीं पाई गई है। इस बात से थोड़ी राहत की सांस जरुर ली जा सकती है, लेकिन याद रखना होगा कि वहां हालात जस के तस हैं। यूक्रेन में चार न्यूक्लियर पावर प्लांट हैं।

रुसी फौजें हमले जारी रखे हुए हैं और इस पूरे घटनाक्रम का

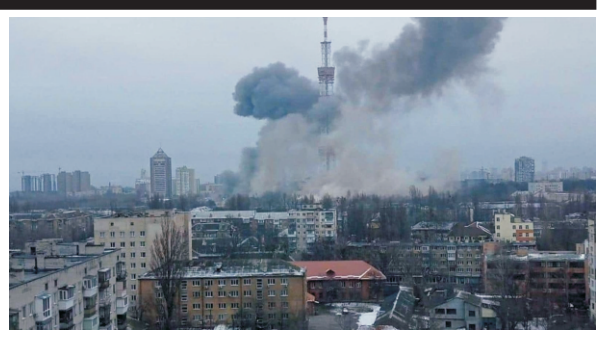

उनके रुख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। समझना होगा कि जोपोरिजझिया में जिस तरह की स्थिति बनी, वह दो देशों के बीच युद्ध भर का मामला नहीं रह गया था। न्यूक्लियर पावर प्लांट पर खतरे का मतलब था पूरे यूरोप पर खतरा। किसी देश के सामने युद्ध में उतरने की चाहे जितनी भी जायज (या नाजायज) वजह हो, उसे यह इजाजत नहीं दी जा सकती कि इसमें वह उन तमाम देशों की आबादी को भी दांव पर लगा दे, जो उस युद्ध में शामिल नहीं हैं। चीन समेत दुनिया के तमाम देशों ने ठीक ही इस स्थिति पर चिंता जताई है। ब्रिटेन ने इस मसले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक बुलाने की अपील की है। बैठक जरुर हो, लेकिन उससे ज्यादा जरुरी है कि उस बैठक से इसका कोई हल निकले। अब तक की तमाम बैठकें इस मामले में बेअसर कही जा सकती हैं कि इनसे जमीनी स्थिति में कोई फर्क नहीं पड़ सका है। रुस और यूक्रेन के बीच भी दो दौर की बातचीत तो हो ही चुकी है, तीसरे दौर की बातचीत भी होने वाली है, लेकिन अब तक न तो युद्धविराम की कोई सूरत बनती दिख रही है और न ही नागरिकों के लिए सेफ पैसेज देने जैसे मसलों पर कोई ठोस प्रगति हो सकी है।

प्राचार्य कर रही टीसी के नाम पर अवैध वसूली

मनसे जिला उपाध्यक्ष मुकेश मिश्रा ने की कार्यवाही की मांग

बुलंद गोंदिया - नगर परिषद गोंदिया की हिंदी प्राथमिक गोंदिया खुर्द पाठशाला में प्राचार्य सत्यम मैडम द्वारा टीसी देने के बदले रु. 15 के नगर परिषद नियम होने के पश्चात भी अवैध रुप से 200 से 500 रु. तक की वसूली शुरु है, जो कि नियमानुसार पूरी तरह गलत है। छोटा गोंदिया, गोविंदपुर, संजय नगर यह मेहनत मजदूरी करने वालों, किसान वर्ग का क्षेत्र है। जिनके लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम करना भी काफी कठिन साबित होता है। ऐसे गरीब लोगों से 15 रु. की जगह 200 से 500 रु. की वसूली कहां तक जायज है, और वह भी उन शिक्षकों द्वारा जिनको शासन पढ़ाई के लिए मोटी रकम प्रतिमाह सैलरी के रुप में दे रही है। फिर भी गरीब लोगों को परेशान करने में इन्हें मजा आ रहा है। जिसके लिए स्कूल सुधार की जाली स्लिप भी अब तक पहली बार दी गई है। जिस स्लिप में बुक नंबर और स्लिप नंबर तक दर्ज नहीं है। अभी तक इतने वर्षों में पहली बार स्लीप दी गई है जो की पालक द्वारा मांगने पर कि अगर स्लिप नहीं दी तो वह 200 रु. टीसी के नहीं दूंगा, तब पहली बार स्लिप दी गई है।

आज तक अनेक पालकों से बिना स्लिप के ही हजारों रुपए अवैध वसूली की गई है। जिसका कोई हिसाब किताब नहीं है। जो कि नियम अनुसार गलत है। ऐसी किसी भी प्रकार की स्लिप देने का नगर परिषद स्कूलों में कोई प्रावधान नहीं है। प्राचार्य मैडम को खुद बराबर लिखना नहीं आता, टीसी में आधे शब्द हिंदी और आधे शब्द इंग्लिश में लिखे हैं। उन्हें अक्षरों में 200 रु. तक लिखना नहीं आता और ऐसे प्राचार्य को बच्चों का भविष्य सुधारने का जिम्मा नगर परिषद प्रशासन द्वारा सौंपा गया है।

जिन्हें प्राचार्य बनाया गया है जब उन्हें खुद ही लिखना नहीं आता तो वे बच्चों का भविष्य कैसे सवारेंगे। इस ओर नगर परिषद

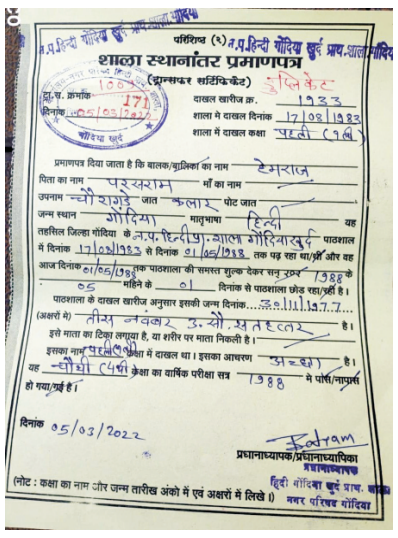

प्रशासन द्वारा विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अवैध वसूली के खिलाफ महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना गोंदिया जिले की ओर से नगर परिषद के मुख्य अधिकारी करण चौहान, शिक्षा अधिकारी जिला परिषद गोंदिया को शिकायत की गई है। जिस पर नगर परिषद के मुख्य अधिकारी ने जल्द से जल्द इस प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने की बात कही है।

सहेली के ६ वर्षीय बच्चे को बेचा

१ लाख २० हजार में किया सौदा। पांच आरोपी हिरासत में

बुलंद गोंदिया - अमानत में खयानत के अनेक मामले सामने आते हैं। लेकिन गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें फरियादी महिला ने अपने 6 वर्षीय पुत्र को अपनी सहेली को अमानत के रुप में सौंपा था। लेकिन उसकी सहेली ने अमानत में खयानत करते हुए 6 वर्षीय बालक को 1 लाख 20 हजार में बेच दिया। इस मामले में गोंदिया शहर पुलिस द्वारा 5 आरोपियों को हिरासत में लेते हुए बच्चे को अपनी सुरक्षा में लिया।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर पुलिस थाने में 28 फरवरी को फरियादी निलेश्वरी उर्फ मंजू योगेश चौधरी (30) निवासी चारडी जिला जलगांव जिसने अपने 6 वर्षीय बच्चे को दिसंबर 2020 से फरवरी 2020 के बीच अपनी परिचित सहेली को जो बहुजन चौक कुभारे नगर निवासी को दिया था। जिसके द्वारा उपरोक्त बच्चे को छुपाकर रखा तथा अपहरण करने की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा इस मामले में भादवि की धारा 363, बाल हक व संरक्षण अधिनियम 2015 की सहायक धारा 75, 80, 81 के तहत दर्ज कर मामले की कड़ाई से जांच की। जिसमें अपहरण किया गये बच्चे की तलाश पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में की गई। जिसमें अपहरण किए गए बच्चे की तलाशी के दौरान शहर पुलिस थाने को मिली गुप्त जानकारी के अनुसार आरोपी महिला द्वारा आंधलगांव तहसील मोहाडी जिला भंडारा निवासी काजोल छोटेलाल भूरे को 1 लाख 20 हजार में बिक्री कर दिया था। जिसके पश्चात गोंदिया पुलिस द्वारा आधलगांव जाकर दोनों आरोपी को हिरासत में लेकर वर्तमान में बच्चे की उम्र 8 वर्ष को सुरक्षित रुप से अपनी सुरक्षा में लेकर बाल संरक्षण समिति के समक्ष पेश कर उनके सुपुर्द किया तथा दोनों आरोपियों की जांच किए जाने पर उपरोक्त बालक की बिक्री में शामिल दलाल सुखदेव केशोराव डोये निवासी शंकरलाल गांव तहसील मोहाडी जिला भंडारा व अन्य एक महिला आरोपी के माध्यम से अपहरण करने वाले एक पुरुष एक महिला तथा दोनों आरोपी कुंभारे नगर गोंदिया को हिरासत में लिया।

उल्लेखनीय है कि फरियादी महिला निलेश्वरी उर्फ मंजू योगेश चौधरी का यह बेटा उसके पहले पति से था तथा उसकी सहेली द्वारा उसे झांसा देते हुए कहा कि उसके बच्चे का पालन-पोषण वह कर लेंगी तथा उसकी दूसरी शादी करवा दी। शादी के 2 वर्ष पश्चात जब महिला अपने बच्चे की जानकारी लेने गोंदिया पहुंची तो आरोपी द्वारा उसे गोलमाल जवाब दिया गया। जिस पर संदेह होने पर पीड़ित फरियादी महिला द्वारा मामले की शिकायत शहर पुलिस थाने में दर्ज करवाई।

इस मामले में पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी गोंदिया ताजने के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर पुलिस थाने के निरीक्षक युवराज हांडे, पुलिस निरीक्षक महेश बनसोडे, सपोनी सागर पाटिल, पोहवा उईके, सुरेश टेंभरे, पोना अरविंद चौधरी, रहागडाले, चौहान, योगेश बिसेन, पोशि विट्ठले, बारेवार, बेदक, देशमुख, मापोसी पटोले, चापोशि उपासे तथा पोना दीक्षित दमाहे, संजय शेंडे साइबर सेल द्वारा की गई।

सेजगांव खुर्द में ७१ लाख विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण

बुलंद संवाददाता तिरोडा - तिरोडा-गोरेगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सेजगांव खुर्द में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण हाल ही में विधायक विजय रहांगडाले द्वारा किया गया। महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार हमी योजना अंतर्गत जुनी ग्राम पंचायत से सायटोला रस्ता खडीकरण (सेजगाव) 7.50 लाख, जल जीवन मिशन अंतर्गत (सेजगांव, कोहका, सायटोला) अनुमानित राशि 8.19 लाख, जिप स्कूल सेजगांव शिक्षा मिशन के तहत स्कूल मरम्मत 5.00 लाख, जिला परिषद स्कूल कोहका शौचालय निर्माण 5.00 लाख, जिप स्कूल सायटोला नई कक्षा 10.00 लाख, जिला परिषद स्कूल सायटोला स्कूल

मरम्मत 5.00 लाख, 15 वित्त आयोग अंतर्गत सौरउर्जा जल आधारित लघु नल योजना (सेजगांव) के तहत 3.00 लाख, बोरवेल 1.00 लाख, जलापूर्ति योजना विंधान विहार (सेजगांव) 1.50 लाख, पानी आपूर्ति योजना विंधान विहार 1.11 लाख, सार्वजनिक शौचालय निर्माण कोहका राशि 1.11 लाख, विंधान वेल पीएस इन कार्यों का भूमि पूजन के साथ-साथ बंद नाले का निर्माण 2.25 लाख, सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण 1.00 लाख, जिला पंचायत स्कूल सेजगांव शौचालय का निर्माण 1.00 लाख, बंद नालियों का निर्माण (कोहका) 2.00 लाख सीमेंट सड़क निर्माण (कोहका) 3.50 लाख बंद नाली निर्माण (सैतोला) 1.25 लाख, प्रेमलाल राणे से लेकचंद धुर्वे रोड पेविंग (कोहका) अनुमानित राशि 1.00 लाख के कामों का भूमिपूजन किया गया। इस समय सांसद सदस्य अंजलि अत्रे, पूर्व उपाध्यक्ष वसंत भगत, सरपंच अर्चना कंसारे, उप सरपंच प्रमोद पटले, उपाध्यक्ष सदस्य अनीता रहांगडाले, राकेश खरोले, संतोष पटले, सोनू चिखलोंडे, भाजपा कार्यकर्ता प्रकाश पटले और ग्रामीण मौजूद थे।

काटी बिरसोला के खिलाडी को रजत पदक

बुलंद गोंदिया - डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजिकल एजुकेशन व राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ द्वारा आयोजित इन्टर कॉलेज ताइकांडो स्पर्धा का आयोजन सुबेदार हाल आरटीएम विद्यापीठ स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स नागपुर स्पर्धा मे काटी बिरसोला के खिलाडी मनोज पाचे ने रजत पदक प्राप्त किया। वे ऑल इंडिया विद्यापीठ स्पर्धा केरला के लिए एक्स्ट्रा खिलाडी के रुप मे चयनित हुए। खिलाडी ने अपनी सफता का श्रेय कोच ओमकार नागफासे व अपने माता-पिता को दिया। उनकी सफलता पर विधायक विनोद अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. अमित बुद्धे, क्रिडा अधिकारी घनश्याम राठौर, तहसील क्रिडा अधिकारी अनिराम मरस्कोले, नाजुक उके, पारधी सर, अर्जुन पटले, शिव भोयर, अजय जमरे, रेविका मडावी, निखिल

बाहे, आदित्य देवाधारी व समस्त क्षेत्रवासियों ने शुभकामनाएं दी।

सार्वजनिक शासकीय कुए में अवैध रुप से सबमर्सिबल पंप लगाकर पानी का दोहन

बुलंद संवाददाता, भूपेंद्र रंगारी - तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आनेवाली ग्राम पंचायत गुमाधावड़ा के शासकीय सार्वजनिक कुएं में गत 1 वर्ष से अनेक लोगों द्वारा अवैध रुप से सबमर्सिबल पंप लगाकर पानी का अवैध दोहन किया जा रहा है। जिससे आम ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्हें पेयजल तथा अन्य घरेलू आवश्यकता के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

उल्लेखनीय है कि ग्रीष्मकाल शुरु होते ही भूमिगत जलस्तर कम होने लगा है। जिससे भविष्य में और भी गंभीर समस्या निर्माण हो सकती है। इस संदर्भ में ग्राम के अनेक नागरिकों द्वारा सरपंच ओमप्रकाश पटले व सचिव डी.एन. सहारे को जानकारी देकर कार्रवाई की मांग की है। लेकिन संबंधित पदाधिकारियों द्वारा इस ओर अनदेखी की जा रही है। जिससे ग्रामीणों द्वारा आरोप लगाया गया कि उनकी मिलीभगत से 5 लोगों को सार्वजनिक कुएं में सबमर्सिबल पंप लगाने की मंजूरी देकर पूरे गांव के साथ अन्याय किया जा रहा है। जिससे इस मामले में संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल जांच कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। विशेष है कि उपरोक्त सार्वजनिक कुएं में लगाए गए सबमर्सिबल पंप पर महावितरण द्वारा विद्युत कनेक्शन भी दिया गया है जिससे महावितरण की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध बताई जा रही है। इस मामले में जब अधिक जानकारी के लिए ग्राम पंचायत के ग्राम सेवक डी.एन. सहारे से मोबाइल से संपर्क किया गया तो मोबाइल नॉट रिचेबल था।

रेलवे सिग्नल केबल की चोर रंगे हाथों पकड़ाया

बुलंद गोंदिया - रेलवे की संपत्तियों को चोरी से बचाने व उसकी सुरक्षा के लिए आरपीएफ क्राइम ब्रांच द्वारा निरंतर गस्त लगाने के साथ ही अपराधों पर लगाम लगाने हेतु कार्रवाई कर रहा है। इसी के तहत 4 मार्च को सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे सिग्नल विभाग गोंदिया डिपो के पीछे कुछ आरोपी रेलवे सिग्नल केबल की चोरी कर उसे टुकड़ों में काट रहे है। जिस पर तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर आरोपी गोल्डी विलियम आछी विलियम (21) व रवि ओमप्रकाश गजभिए (28) को 45 मीटर रेलवे सिगनल केबल के टुकड़े

करते हुए रंगे हाथों धरदबोचा गया। उपरोक्त केबल के संदर्भ में पूछे जाने पर किसी भी प्रकार का समाधानकारक जवाब नहीं दिए जाने पर दोनों आरोपियों को रेल संपत्ति अवैध कब्जा अधिनियम की धारा 3(अ) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई के लिए रेलवे पुलिस गोंदिया के सुपुर्द किया गया।

उपरोक्त कार्यवाही रेलवे सुरक्षा बल के उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध गुप्तचर शाखा गोंदिया के निरीक्षक अनिल पाटिल, उप निरीक्षक के.के. दुबे प्रधान आरक्षक आर.सी. कटरे द्वारा की गई।

लकड़ी से लदा ट्रैक्टर पलटा ६ जख्मी ३ की हालत गंभीर

बुलंद संवाददाता देवरी - चिचगढ पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम म्हैसुली में रविवार को सुबह करीब 10 बजे लकड़ी से लदा ट्रैक्टर पलटने से सड़क किनारे मनिहारी सामान खरीदने खड़ी महिलाएं लकड़ी में दबकर घायल होने की घटना सामने आयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुर्घटना की वजह चालक द्वारा लापरवाही से व अनियंत्रित ढंग से ट्रेक्टर चलाने व ट्रेक्टर से नियंत्रण छूटकर दुर्घटनाग्रस्त होना बताया जा रहा है। घटना के बाद ट्रेक्टर चालक घटनास्थल से फरार हो गया है और समाचार लिखे जाने तक उसका नाम व पते की जानकारी नहीं मिल पायी। आगे की जांच चिचगढ के पुलिस निरीक्षक शरद पाटिल और उनकी टीम कर रही है। घायलों को देवरी स्थित सरकारी अस्पताल में प्रथमोपचार के बाद गोंदिया के निजी अस्पताल में इलाज हेतु रवाना किया गया है। घायलों में 3 महिलाओं कि स्तिथि नाजुक बताई जा रही है।

देश के भविष्य को बनाएं सुसंस्कृत - शुभांगी सुनील मेंढे

बुलंद गोंदिया - मैत्री प्रोड्यूसर ग्रुप खमारी द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शुभांगी सुनील मेंढे उपस्थित थी। इस अवसर पर श्रीमती मेंढे ने कहा कि कोरोना काल में जब यह बीमारी दूर-दूर तक फैली थी, तब महिलाओं ने ही विभिन्न घरेलू उपचारों से समाज की रक्षा की, समाज का निर्माण निश्चित है। चूंकि आज संस्कारों की बहुत आवश्यकता है, इसलिए सभी महिलाओं को अपने बच्चों को आवश्यक संस्कार बनाने के लिए उचित मार्गदर्शन देना चाहिए। हम देखते हैं कि देश में ऐसे कई महापुरुष हुए हैं, जिनका मार्गदर्शन एक स्त्री ने मां, बहन या पत्नी के रुप में किया है, इसलिए हम सभी को एक असहाय, देशभक्त पीढ़ी का निर्माण करना चाहिए। इस अवसर पर सविता विनोद अग्रवाल, ममता वाधवे, जिला पंचायत सदस्य, सुशील भंडारकर, किरन बारापात्रे, मंजूषा फुंडे, अश्विनी गायधने, वंचिता गायधने, संगीत लोखंडे, मंदा डेकाटे, मनीषा निनावे, दीपिका धावड़े, सरिता दखने, नेहा भांडारकर, भारती ब्रम्हणकर, सुरेखा बागड़े, सविता खैरे आदि महिलाएं व पुरुष मौजूद थे।

माहेश्वरी महिलाओं में विभिन्न प्रतिभाएं - जिल्हाधिकारी नयना गुंडे

बुलंद गोंदिया - अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में गोंदिया जिला माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा गोंदिया जिले की जिल्हाधिकारी नयना गुंडे की अध्यक्षता में, प्रमुख अतिथि के रुप में विदर्भ के प्रदेश प्रतिनिधि रवि मूंदड़ा व समाजसेवी पूजा तिवारी की प्रमुख उपस्थिति में महिला दिवस मनाया गया।

मंच पर ज्योति जाखोटिया, निशा कोठारी, डॉ नितिन सोमानी, सीमा भूतड़ा उपस्थित थे। इस अवसर पर माहेश्वरी महिला मंडल ने जिलाधिकारी के करकमलों द्वारा जरुरतमंदों को पांच सिलाई मशीन वितरित की, ताकि वे लोग अपनी आजीविका चला सकें। प्रदेश प्रतिनिधि रवि मूंदड़ा ने माहेश्वरी समाज के बारे में संक्षिप्त में जिलाधिकारी नयना गुंडे को जानकारी दी। प्रमुख रुप से उपस्थित पूजा तिवारी ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर बहुत ही अच्छा व जोशीला मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे ने समस्त महेश्वरी समाज की महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी व महिलाएं बचत गट के माध्यम से आत्मनिर्भर कैसे बन सकती है इस बात का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवानी बंग, मधु मुंदड़ा, डॉ पूजा कोठारी, कंचन जाजू, उषा डागा का विशेष सहयोग मिला। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. शारदा साबू ने व आभार प्रदर्शन डॉ. चौताली सोमानी ने किया। गोंदिया जिले की माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष मंगला साबू का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

महिला दिवस के कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज से चंदादेवी मूंदड़ा, अर्चना कोठारी, सरला सोमानी, ज्योति भांगड़िया, छाया मूंदड़ा, वंदना मूंदड़ा, सुनीता मूंदड़ा, उमा जाजू, कल्पना मूंदड़ा, निशा कोठारी, सुरुचि मुंदड़ा, वर्षा चांडक, उमा राठी उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।